



Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing

Governor Greets people on Makar Sankranti/Pongal and Bihu

Raj Bhawan, Dehradun, 13th January, 2017

Uttarakhand Governor Dr.K.K.Paul has greeted the people of the state on the occasion of Makar Sankranti, Pongal and Bihu.

On the eve of the festivals, he said that he wished a happy and healthy life for the people.

“Our festivals bring energy, enthusiasm and joy to our lives and we should celebrate them together to create a good environment in society. This unity will help in ensuring the progress of the state, country and society,” he said.

-----0-----

Governor Greets people on Lohri

Uttarakhand Governor Dr.K.K.Paul has greeted the people of the state, especially Punjabis, on the festival of Lohri.

In his message on the eve of the festival, the Governor said that festivals are a symbol of good social traditions that should be kept alive. **“They help to nurture brotherhood. They are meant to be celebrated together joyfully to build a tolerant and an integrated society,”** he said.

-----0-----

मकर संक्रांति, पोंगल एवं बिहू पर्व पर राज्यपाल का बधाई व शुभकामना संदेश।

राजभवन देहरादून 13 जनवरी, 2017

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डॉ० कृष्ण कांत पाल ने प्रदेश के सभी नागरिकों को मकर संक्रांति, पोंगल एवं बिहू पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में, राज्य के सभी नागरिकों के स्वस्थ, सुखी तथा खुशहाल जीवन की कामना करते हुए राज्यपाल ने कहा है कि— “हमारे तीज—त्यौहार जीवन में उमंग, उत्साह और खुशहाली लाते हैं, इसलिए सभी पर्वों को आपस में मिल—जुलकर मनाना चाहिए। इससे समाज में अच्छा माहौल बनता है। सामाजिक सद्भाव के वातावरण में राज्य, देश व समाज की प्रगति सुनिश्चित रूप से होती है।”

-----0-----

‘लोहड़ी’ पर्व पर राज्यपाल का बधाई व शुभकामना संदेश

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डॉ० कृष्ण कांत पाल ने समस्त प्रदेशवासियों विशेष रूप से पंजाबी समुदाय को ‘लोहड़ी’ पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

‘लोहड़ी’ पर्व की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में राज्यपाल ने त्यौहारों को स्वस्थ सामाजिक परम्पराओं का प्रतीक व संवाहक बताते हुए कहा कि तीज—त्यौहार हमारे दैनिक जीवन में उत्साह बनाये रखने के साथ ही सामाजिक भाई—चारे को बढ़ाने का माध्यम भी होते हैं। उन्होंने कहा कि त्यौहार को पूर्ण हर्षोल्लास से मिलजुल कर मनायें ताकि समाज में एकता व सहिष्णुता का वातावरण बना रहे।

-----0-----